(ग) कवि ने भिखारी किसे और क्यों कहा?

5. **दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-**

(क) विहग का कीर्ति गायन और फ़ौज का भागना हमें क्या संकेत दे रहा है?

(ख) कविता में रथ, अनुचर, फ़ौज और भिखारी की भूमिका किस-किस ने निभाई है?

(ग) जो रात का राजा था अब भिखारी कैसे बन गया?

6. **आशय स्पष्ट करो-**

(क) बादलों-से अनुचरों ने स्वर्ण की पोशाक धारी।

कथन का तात्पर्य है कि सूर्य के निकलते ही सूर्य की सुनहरी किरणें बादलों पर पड़ती हैं और बादल भी सुनहरे हो गए

(ख) छोड़कर मैदान भागी, तारकों की फ़ौज सारी।

पंक्ति का आशय यह है कि प्रातःकाल होते ही सारे तारे प्रकाश में विलीन हो गए।

भाषा

1. पर्यायवाची शब्द लिखो-

रवि	सूर्य	सूरज	रात	निशा	रजनी
अनुचर	सेवक	शिष्य	राजा	नृप	नृप
कीर्ति	यश	प्रतिभा	राह	पथ	रास्ता

2. वर्ण विच्छेद करो-

कुसुम	–	क् + उ + स् + उ + म् + अ
स्वर्ण	–	स्+व्+अ+र्+ण्+अ
पोशाक	–	प्+ओ+श्+आ+क्+अ
उछलूँ	–	उ+छ्+अ+ल्+ऊँ
भिखारी	–	भ्+इ+ख्+आ+र्+ई

3. वाक्यों में प्रयोग करो-

सवारी – बच्चों को हाथी की सवारी करने में आनंद आता है।

पोशाक – भिखारियों को नए पोशाक दान दिए गए।

कीर्ति – अच्छे कर्म करने वालों की कीर्ति सर्वत्र फैल जाती है।

कुछ करने की बारी

- 'प्रात:कालीन दृश्य' – शीर्षक पर अनुच्छेद लिखो।

कल्पना करो

- अगर सूरज न रहे, तो